भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध

प्रलिम्सि के लयि:

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध, द्वपिक्षीय नविश संधि (BIT), वदिशी प्रत्यक्ष नविश(FDI), भारत-मध्य पूर्व आर्थकि गलयिारा (IMEC)

मेन्स के लयि:

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध, भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध का आर्थकि और रणनीतकि महत्त्व, द्वपिक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उपाय

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने नविश, वद्युित व्यापार और डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्म जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लयि आठ समझौतों पर हस्ताक्षर कयि हैं।

हस्ताक्षरति समझौते की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- **डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्मों को आपस में जोड़ना:**
  - **UPI और AANI की इंटरलकिगि:**
    - दोनों देशों ने UPI (भारत) और AANI (UAE) जैसे डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्मों को आपस में जोड़ने पर समझौते पर हस्ताक्षर कयि।
    - इससे भारत और UAE के बीच सीमा पार लेन-देन की नरि्बाध सुवधिा मलिेगी जसिसे वत्तिीय कनेक्टविटिी तथा सहयोग बढ़ेगा।
  - **घरेलू डेबटि/क्रेडटि कार्ड (RuPay और JAYWAN) को इंटरलकि करना:**
    - दोनों देशों ने घरेलू डेबटि/क्रेडटि कार्ड- **RuPay (भारत) को JAYWAN (UAE)** को आपस में जोड़ने हेतु समझौता कयि।
    - यह **वत्तिीय क्षेत्र में सहयोग के नरि्माण में** एक **महत्त्वपूर्ण कदम** है और इससे संपूर्ण संयुक्त अरब अमीरात में RuPay की सार्वभौमकि स्वीकृति बढ़ेगी।
      - UAE का घरेलू कार्ड JAYWAN **डजिटिल RuPay क्रेडटि** और डेबटि **कार्ड** स्टैक पर आधारति है।
- **द्वपिक्षीय नविश संधि:**
  - दोनों देशों ने द्वपिक्षीय नविश संधि (BIT) पर हस्ताक्षर कयि। यह समझौता दोनों देशों में नविश को और बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाएगा।
  - **भारत के बुनयिादी ढाँचा** क्षेत्र **में** UAE का **नविश** महत्त्वपूर्ण रहा है।
    - वर्ष 2022-2023 में **संयुक्त अरब अमीरात** ने **भारत में चौथे सबसे बड़े** वदिशी प्रत्यक्ष नविश (FDI) **नविशक** के रूप में योगदान कयि। इसने भारत के बुनयिादी ढाँचा क्षेत्र में 75 बलियिन अमेरकिी डॉलर का नविश करने की प्रतबिद्धता जताई।
- **भारत-मध्य पूर्व आर्थकि गलयिारे (IMEC) पर अंतर सरकारी ढाँचा समझौता:**
  - इसका उद्देश्य भारत-संयुक्त अरब अमीरात सहयोग को बढ़ावा देना तथा क्षेत्रीय कनेक्टविटिी को आगे बढ़ाने के लयि भारत और संयुक्त अरब अमीरात सहयोग को बढ़ाना है। IMEC की घोषणा **सतिंबर वर्ष 2023 में नई दल्लिी में आयोजति** G20 शखिर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- **ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग:**
  - दोनों पक्षों ने **इलेक्ट्रकिल इंटरकनेक्शन और व्यापार** के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता कयि जो ऊर्जा सुरक्षा तथा ऊर्जा व्यापार सहति ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों को उजागर करता है।
  - संयुक्त अरब अमीरात कच्चे तेल और LPG के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है तथा भारत ने **LNG के लयि दीर्घकालकि अनुबंध** की योजना बनाई है।
- **सांस्कृतकि सहयोग:**
  - दोनों देशों ने **"दोनों देशों के राष्ट्रीय अभलिेखागार के बीच सहयोग प्रोटोकॉल"** पर हस्ताक्षर कयि यह प्रोटोकॉल अभलिेखीय सामग्री की बहाली और संरक्षण सहति इस क्षेत्र में व्यापक द्वपिक्षीय सहयोग को आकार देगा।

- विरासत और संग्रहालयों के क्षेत्र में सहयोग के लिये समझौता किया गया जिसका उद्देश्य **लोथल, गुजरात में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर** में सहयोग करना है।

- **BAPS मंदिर निर्माण के लिये आभार:**
  - भारत ने अबू धाबी में **BAPS मंदिर** के निर्माण के लिये भूमि प्रदान करने में समर्थन के लिये संयुक्त अरब अमीरात को धन्यवाद दिया और मंदिर के निर्माण को संयुक्त अरब अमीरात-भारत मित्रता तथा सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक बताया।
- **पत्तन अवसंरचना विकास:**
  - भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पत्तन के बुनियादी ढाँचे तथा कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिये **राइट्स (RITES) लिमिटेड एवं गुजरात मैरीटाइम बोर्ड** ने अबू धाबी पोर्ट्स कंपनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- **भारत मार्ट:**
  - भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत मार्ट की आधारशिला रखी गई जो दुबई में जेबेल अली मुक्त व्यापार क्षेत्र में **खुदरा, भंडारण और रसद सुविधाएँ** प्रदान करेगा।
  - भारत मार्ट संभावित रूप से भारत के **सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्रों** को पश्चिम एशिया, खाड़ी, अफ्रीका तथा यूरेशिया में **अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों तक पहुँचाने में एक मंच प्रदान करेगा** जो उनके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

BAPS मंदिर क्या है?

- **परिचय:**
  - BAPS (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) मंदिर **हिंदू धर्म के वैष्णव संप्रदाय स्वामीनारायण संप्रदाय से संबद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र** हैं।
    - स्वामीनारायण संप्रदाय का सिद्धांत भगवान स्वामीनारायण द्वारा दिया गया था जो पारंपरिक हिंदू ग्रंथों में निहित है। BAPS के

पास दुनिया भर में लगभग 1,550 मंदिरों का नेटवर्क है, जिसमें नई दिल्ली और **गांधीनगर में अक्षरधाम मंदिर** तथा लंदन, ह्यूस्टन, शिकागो, अटलांटा, टोरंटो, लॉस एंजलिस एवं नैरोबी में स्वामीनारायण मंदिर शामिल हैं।

- **विशेषताएँ:**
  - **पारंपरिक वास्तुकला:** अबू धाबी मंदिर सात शिखरों वाला एक पारंपरिक पत्थर वाला हिंदू मंदिर है। पारंपरिक नागर शैली में निर्मित, मंदिर के सामने के पैनल में सार्वभौमिक मूल्यों, विभिन्न संस्कृतियों के सद्भाव की कहानियों, हिंदू आध्यात्मिक नेताओं और अवतारों को दर्शाया गया है।
    - मंदिर की ऊँचाई 108 फीट, लंबाई 262 फीट और चौड़ाई 180 फीट है, जबकि **बाहरी हिस्से में राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थर** का उपयोग किया गया है, जबकि **आंतरिक हिस्से में इतालवी संगमरमर का उपयोग** किया गया है।
- **वास्तुशिल्प विशेषताएँ:**
  - मंदिर में अलौह सामग्री (जो जंग का प्रतिरोध करती है) का उपयोग किया गया है।
  - जबकि मंदिर में कई अलग-अलग प्रकार के खंभे देखे जा सकते हैं जैसे गोलाकार और षट्कोणीय, वहीं एक विशेष स्तंभ है, जिसे **'स्तंभों का स्तंभ'** कहा जाता है, जिसमें लगभग 1,400 छोटे खंभे उकेरे हुए हैं।
  - मंदिर में भारत के चारों कोनों के देवताओं को चित्रित किया गया है। **इनमें भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान, भगवान शिव, पार्वती,** गणपति, कार्तिकेय, भगवान जगन्नाथ, भगवान राधा-कृष्ण, अक्षर-पुरुषोत्तम महाराज (भगवान स्वामीनारायण और गुणातीतानंद स्वामी), तिरुपति बालाजी तथा पद्मावती एवं भगवान अयप्पा शामिल हैं।
  - भारतीय सभ्यता की 15 मूल्यवान कहानियों के अलावा, माया सभ्यता, एज़्टेक सभ्यता, मिस्र की सभ्यता, अरबी सभ्यता, यूरोपीय सभ्यता, चीनी सभ्यता और अफ्रीकी सभ्यता की कहानियों को चित्रित किया गया है।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात के द्विपक्षीय संबंध:

- **परिचय:**
  - **भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 1972** में राजनयिक संबंध स्थापित किये।
  - द्विपक्षीय संबंधों को तब और अधिक बढ़ावा मिला जब अगस्त 2015 में भारत के प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक नई रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी।
  - इसके अलावा, जनवरी 2017 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस की भारत यात्रा के दौरान यह सहमति हुई कि द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत किया जाएगा।
    - इससे भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक भागीदार समझौते के लिये बातचीत शुरू करने को गति मिली।
- **आर्थिक संबंध:**
  - भारत और UAE के बीच आर्थिक साझेदारी विकसित हुई है, वर्ष **2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है**। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।
    - इसका उद्देश्य पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार को 100 बिलियन अमरीकी डालर से ऊपर और सेवा व्यापार को 15 बिलियन अमरीकी डालर तक बढ़ाना है।
  - अनेक भारतीय कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात में सीमेंट, निर्माण सामग्री, कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं आदि के लिये संयुक्त उद्यम के रूप में या विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित की हैं।
  - भारत की संशोधित FTA रणनीति के तहत, सरकार ने निपटने के लिये कम-से-कम छह देशों/क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है, जिसमें **अर्ली हार्वेस्टिंग डील (या अंतरिम व्यापार समझौते)** के लिये संयुक्त अरब अमीरात सूची में सबसे ऊपर है, अन्य ब्रिटेन और यूरोपियन संघ हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इज़राइल और खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council - GCC) में देशों का एक समूह।
    - UAE ने भी भारत और सात अन्य देशों (ब्रिटेन, तुर्की, दक्षिण कोरिया, इथियोपिया, इंडोनेशिया, इज़राइल और केन्या) के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौतों को आगे बढ़ाने के अपने इरादे की घोषणा की थी।
- **सांस्कृतिक संबंध:**
  - संयुक्त अरब अमीरात 3.3 मिलियन से अधिक भारतीयों का घर है और अमीराती भारतीय संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हैं तथा इसके प्रति नरम स्वभाव हैं। **भारत ने अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 2019 में सम्मानित अतिथि देश के रूप में भाग लिया।**
  - भारतीय सिनेमा/टी.वी./रेडियो चैनल आसानी से उपलब्ध हैं और इनकी दर्शक संख्या अच्छी है; संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख थिएटर/सिनेमा हॉल व्यावसायिक हिंदी, मलयालम तथा तमिल फिल्में दिखाते हैं।
  - अमीराती समुदाय हमारे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में भी भाग लेता है और संयुक्त अरब अमीरात में योग तथा ध्यान केंद्रों के विभिन्न स्कूल सफलतापूर्वक चल रहे हैं।
- **फिनटेक सहयोग:**
  - **अगस्त 2019 से UAE में** रुपे कार्ड की स्वीकृति और **रुपया-दिरहम निपटान प्रणाली** के संचालन जैसी पहल डिजिटल भुगतान प्रणालियों में पारस्परिक अभिसरण को प्रदर्शित करती है।
    - भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लेनदेन के लिये स्थानीय मुद्राओं के उपयोग की रूपरेखा का उद्देश्य **स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली (Local Currency Settlement System - LCSS)** स्थापित करना है।
    - RBI के अनुसार, LCSS के निर्माण से निर्यातकों और आयातकों को अपनी संबंधित घरेलू मुद्राओं में चालान तथा भुगतान करने में सक्षम बनाया जाएगा, जो बदले में एक **INR-AED (संयुक्त अरब अमीरात दिरहम)** विदेशी मुद्रा **बाज़ार** के विकास को सक्षम करेगा।
- **ऊर्जा सुरक्षा सहयोग:**
  - संयुक्त अरब अमीरात भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, भारत के मंगलुरु में सामरिक तेल भंडार **(strategic oil**

reserves) संग्रहति सुवधिा है।

- **सामरकि क्षेत्रीय सहभागतिा:**
  - भारत और संयुक्त अरब अमीरात **I2U2** और **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थकि गलयिारा** जैसे वभिन्नि क्षेत्रीय समूहों तथा पहलों में सक्रयि रूप से लगे हुए हैं, जो साझा हतिों एवं रणनीतकि संरेखण को दर्शाते हैं।

भारत-UAE संबंधों में क्या चुनौतयिाँ हैं?

- **व्यापार बाधाएँ भारतीय नरि्यात को प्रभावति कर रही हैं:**
  - **गैर-टैरफि बाधाएँ** जैसे **स्वच्छता और फाइटोसैनटिरी (Sanitary and Phytosanitary- SPS)** उपाय तथा **व्यापार में तकनीकी बाधाएँ (Technical Barriers to Trade - TBT)** वशिष रूप से अनविार्य **हलाल प्रामाणीकरण** ने वशिष रूप से पोल्ट्री, माँस एवं प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसे क्षेत्रों में भारतीय नरि्यात को बाधति कयिा है।
    - भारत के वाणज्यि और उद्योग मंत्रालय की एक रपिोर्ट के अनुसार, इन बाधाओं के कारण हाल के वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात को प्रसंस्कृत खाद्य नरि्यात में लगभग 30% की उल्लेखनीय गरिावट आई है।
- **संयुक्त अरब अमीरात में चीनी आर्थकि प्रभाव:**
  - **चीन की "चेक बुक डप्लिोमेसी"**, जो कम ब्याज वाले ऋण के प्रस्ताव की वशिेषता है, ने संयुक्त अरब अमीरात और मध्य-पूर्व में भारतीय आर्थकि प्रयासों को प्रभावति कयिा है।
- **कफाला प्रणाली की चुनौतयिाँ:**
  - **संयुक्त अरब अमीरात की** **कफाला प्रणाली** नयिोक्ताओं को आप्रवासी मज़दूरों, वशिेषकर अल्प वेतन वाले रोज़गार में नयिोजति श्रमकिों के संबंध में अनुचति अधकिार प्रदान करती है जो मानवाधकिारों के उल्लंघन संबंधी चतिाएँ प्रस्तुत करती है।
    - इस प्रणाली के तहत प्रवासी श्रमकिों को **पासपोर्ट ज़ब्त होने**, वेतन मलिने में देरी और दयनीय जीवन-यापन की स्थति जैसे परणिामों का सामना करना पड़ता है।
- **संयुक्त अरब अमीरात द्वारा पाकस्तिान को प्रदत्त वत्तिीय सहायता संबंधी चतिाएँ:**
  - पाकस्तिान को UAE द्वारा प्रयाप्त वत्तिीय सहायता इन **फंडों के संभावति दुरुपयोग** के बारे में आशंका उत्पन्न करती है क्योंकि पाकस्तिान प्राप्त वत्तिीय सहायता को भारत के वरिुद्ध सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजति करने के लयि इस्तेमाल करता रहा है।
- **क्षेत्रीय संघर्षों के बीच राजनयकि संतुलन:**
  - **ईरान और अरब देशों**, वशिेषकर संयुक्त अरब अमीरात **के बीच** चल रहे **संघर्ष** के कारण भारत को राजनयकि संतुलन स्थापति करने में मुश्कलि का सामना करना पड़ता है।
  - **इज़रायल और हमास के बीच जारी संघर्षों** ने इन चुनौतयिों को और बढ़ा दयिा है क्योंकि इसके परणिामस्वरूप प्रस्तावति IMEC प्रभावति हो सकता है।

आगे की राह

- भारत और UAE को गैर-प्रशुल्क प्रतबिंधों का समाधान करने के लयि मलिकर कार्य करना चाहयि जो भारतीय, वशिेषकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्रों में, नरि्यात को बाधति करते हैं। दोनों देशों को नयिमों को सुव्यवस्थति करने और सुचारू व्यापार को सुवधिाजनक बनाने के लयि वचिार वमिर्श करना चाहयि।
- संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख क्षेत्रों में नविेश में वृद्धि कर और संयुक्त उद्यमों तथा साझेदारी के अवसरों की खोज कर भारत अपना आर्थकि प्रभुत्व बढ़ा सकता है। अनुकूल व्यावसायकि परविेश को बढ़ावा देने और उद्यमति को प्रोत्साहन प्रदान करने से अधकि भारतीय व्यवसायों को संयुक्त अरब अमीरात में आकर्षति कयिा जा सकता है।
- भारत और UAE पारदर्शति, स्थरिता तथा नष्पिक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देकर संबद्ध क्षेत्र में चीनी आर्थकि प्रभाव का मुकाबला करने के लयि सहयोग कर सकते हैं।
- दोनों देशों को **कफाला प्रणाली में सुधार** के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में प्रवासी श्रमकिों के अधकिारों और कल्याण में सुधार की दशिा में कार्य करना चाहयि जसिसे उचति वेतन, गारमिमय जीवन तथा श्रमकिों के अधकिारों का संरक्षण सुनश्चिति होगा।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नम्निलखिति में से कौन 'खाड़ी सहयोग परषिद' (गल्फ कोऑपरेशन काउंसलि) का सदस्य नहीं है? (2016)

(a) ईरान
(b) ओमान
(c) सऊदी अरब
(d) कुवैत

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न: डिजिटल मीडिया के माध्यम से धार्मिक मतारोपण का परिणाम भारतीय युवकों का आई.एस.आई.एस. में शामिल हो जाना रहा है। आई.एस.आई.एस. क्या है और उसका ध्येय (लक्ष्य) क्या है? आई.एस.आई.एस. हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये किस प्रकार खतरनाक हो सकता है? (2015)

प्रश्न. भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न भारत की आर्थिक प्रगति का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग है। पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के ऊर्जा नीति सहयोग का विश्लेषण कीजिये। (2017)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-uae-relations-1